काजरी के सहयोग से किये जायेंगे - ग्रामीण विकास के काम

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, काजरी, जोधपुर में चल रहे विभिन्न शोध कार्यो की तकनीकियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में शामिल करके गाँवों में अधिक तेजी से विकास कार्य कर सके, इसके लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् श्री इन्द्रजीत यादव एवं उनकी टीम के सदस्यो ने संस्थान का दिनांक 26.11.2021 को भ्रमण किया एवं वैज्ञानिको से चर्चा की । श्री यादव ने कहा कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में कम ऊपजाउ मिटटी, अपर्याप्त पानी जैसी समस्याओं के साथ खेती करने के अलावा पंचायती राज में चारागाह तैयार करना, विभिन्न किस्मों के चारा घास की खेती करना, मुल्यसंवर्धित उत्पाद तैयार करना, टिब्बा स्थरीकरण जैसे कार्य करने में काजरी के वैज्ञानिकों के सहयोग से ग्रामीण विकास एवं किसान की आय में वृद्धि करने का कार्य करना चाहते हैं।

इस अवसर पर काजरी निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् को भरोसा दिलाया कि काजरी द्वारा ग्रामीण विकास, खेती, चारागाह विकास, टिब्बा स्थरीकरण जैसे कार्यो में जो काजरी का इन क्षेत्रों में वैज्ञानिक एवं तकनीकि ज्ञान तथा अनुभव हैं उसका पूरा सहयोग काजरी के वैज्ञानिकों द्वारा उपलब्ध कराके ग्रामीण विकास की योजनाओं में काजरी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होनें कहा कि काजरी द्वारा तैयार किये जाने वाले सौर उर्जा द्वारा कार्य करने वाले उपकरणों के उपयोग से ग्रामीणों की आय में वृद्धि कि जा सकती हैं। इसलिए इन्हे सरकारी योजनाओं में शामिल किया जा सकता हैं।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् श्री यादव एवं उनकी टीम के सदस्यों ने काजरी मे स्थित तकनिकी उद्यान, छत से टांके मे पानी इक्ठा करके सिंचाई करने की विधि, पॉली हाउस, बाजरा के मुल्य संवर्धित उत्पाद बनाने कि विधि, पशु आहार निर्माण युनिट, सौर उर्जा यार्ड, नेपियर घास आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस अवसर पर काजरी के वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. दिलीप जैन, डॉ. आर.एन. कुमावत, डॉ.एस.पी.एस. तंवर, डॉ. सुरेन्द्र पूनिया, डॉ. सी.बी. पाण्डेय, डॉ. पी.सांतरा, डॉ. एम.पी. राजोरा, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. प्रतिभा तिवारी ने संस्थान द्वारा विकसित तकनीकियों के बारें मे अवगत करवाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पी.सी. महाराणा ने किया।